राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 16.00 संख्या 73
अंधी मौत
एक नागराज फ्लैग मुफ्त
NAGRAJ YEAR
1996
सुपर कमांडो ध्रुव

आजा, सुपर कमांडो ध्रुव, आजा! पकड़ सकता है तो मुझे पकड़कर दिखा!
तूने मुझे अंधा करके यह कैसे समझ लिया कि ध्रुव तुझ जैसे कमीने से डर गया?
अरे, ध्रुव अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर सिर्फ आवाज के सहारे कई बार अपने दुश्मनों को मात दे चुका है।
बढ़ा, ध्रुव! पन्द्रहवीं मंजिल से अपनी जिन्दगी का आखिरी कदम बढ़ा ले! ...
... सुपर नोवा ने तुझे अंधा तो पहले ही कर दिया है। और अब वह तुझे देने जा रहा है एक ...
अंधी मौत
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा:
इंकिंग: कांबले, विनोद:
सुलेख एवं रंग: सुनील पाण्डेय:
संपादक: मनीष गुप्ता:

आज के, तेजी से आगे बढ़ते इस दौर की मांग है, संचार तकनीक का तेजी से विकास। ताकि सूचनाओं एवं जानकारियों का विश्वभर में पलक झपकते आदान-प्रदान हो सके। और इंसान की इस विवशता के कारण आज दुनिया पर राज करते हैं...

...उपग्रह और कंप्यूटर-

चाहे वे टी॰ वी॰ के नए-नए चैनेल हों, या दूर संचार की सुविधाएं, या फिर दुनियाभर में फैले हुए कंप्यूटर नेटवर्क और या फिर अन्तर्राष्ट्रीय जासूसी की अत्याधुनिक दुनिया। हर चीज उपग्रहों द्वारा ही नियंत्रित की जाती है-

सर्विस स्टेशन! इसका क्या काम होगा अंतरिक्ष में डायरेक्टर साहब?
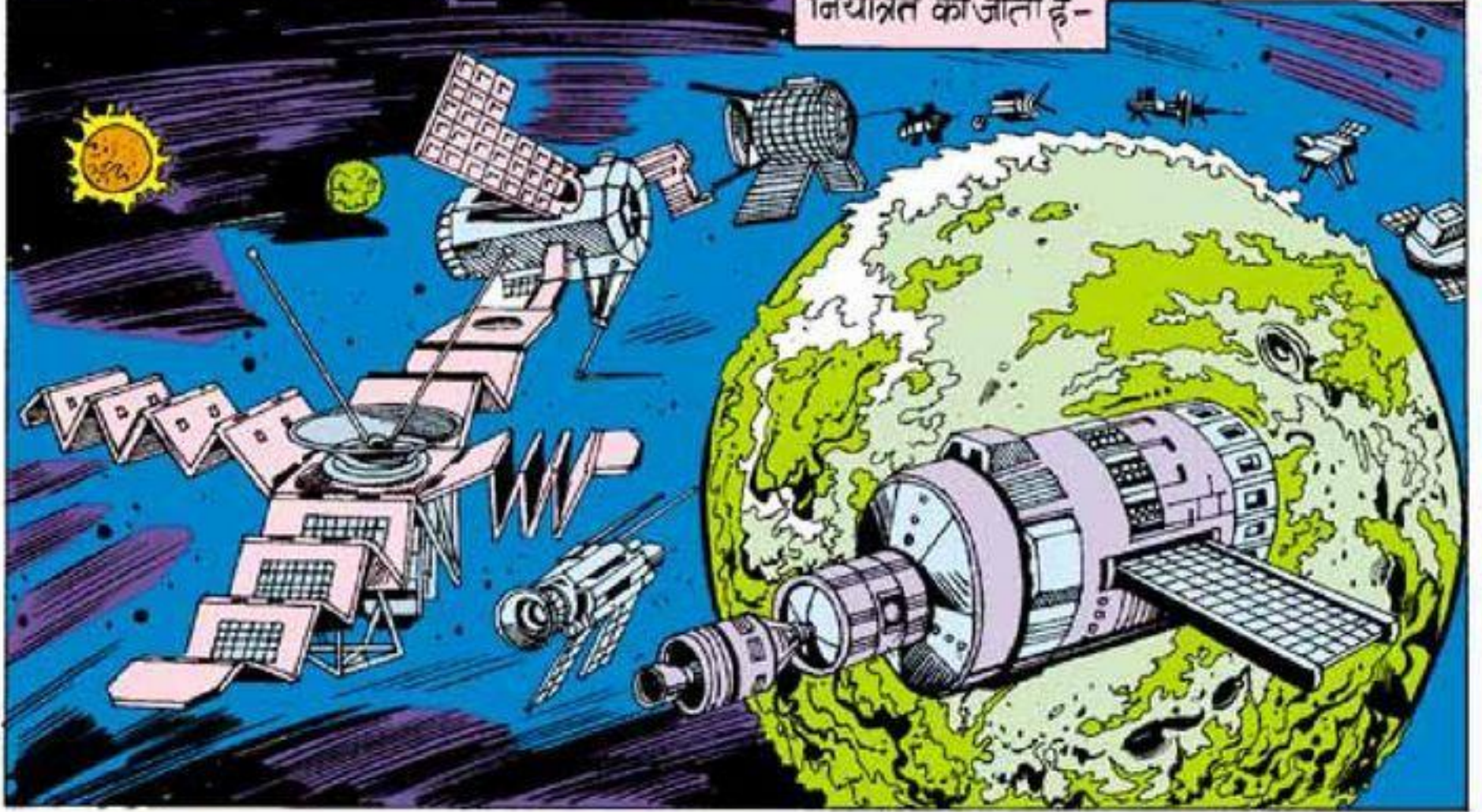
अंतरिक्ष में इस वक्त लगभग 2126 उपग्रह पृथ्वी के इर्द-गिर्द चक्कर लगा रहे हैं। इनमें से अधिकतर लगभग आने वाले पांच सालों के अन्दर बेकार हो जाएंगे...

डायरेक्टर स्पेस ट्रेनिंग सेंटर

DIRECTOR SPACE TRAINING CENTRE

... कुछ में तकनीकी खराबी हो जाएगी। कुछ उपग्रहों की सौर बैटरी खत्म हो जाएगी और कुछ उपग्रह अपनी निर्धारित कक्षा से बाहर निकल जाएंगे।★

हम इस सर्विस स्टेशन द्वारा उन उपग्रहों की मरम्मत करके उनको फिर से काम लायक बना सकते हैं।

और इस मरम्मत का मुख्य औजार होगा ये सुपर पॉवर हैवी ड्यूटी लेसर वेल्डर!

ये आम लेसरों से सौ गुना ज्यादा शक्तिशाली है। अंतरिक्ष के अत्यधिक ठंडे तापमान में भी यह किसी भी चीज को कुछ ही सेकंडों में जोड़ सकता है।

मुझे अभी भी यह समझ में नहीं आया कि आपने मुझको यहां पर क्यों बुलाया है?...

...मैं न तो कोई वैज्ञानिक हूं और न ही अंतरिक्ष के बारे में मुझे कुछ ज्यादा पता है। मैं इसमें आपकी क्या मदद कर सकता हूं?

समुद्र में रहने वाली मछली से ज्यादा समुद्र के बारे में हम जानते हैं। लेकिन फिर भी मछली की तरह समुद्र में रह नहीं सकते!

SECURITY ZONE

इसी तरह अंतरिक्ष में रहना और अंतरिक्ष की जानकारी रखना दो अलग-अलग बातें हैं!

अंतरिक्ष में रहना? मैं अंतरिक्ष में रहूंगा?

लगता है तुमको असली बात बतानी ही पड़ेगी। ये स्पेस स्टेशन सर्विस स्टेशन का काम करेगा जरूर, मगर सिर्फ दिखावे के लिए!

दरअसल यह वह पड़ाव है, जहां से आदमी ग्रहों के बीच की दूरी आधे समय में तय कर सकता है। पृथ्वी से उड़ने वाले रॉकेटों का आधा ईंधन तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र से बाहर निकलने में ही खर्च हो जाता है।...

☆ उपग्रहों के पृथ्वी के चारों तरफ घूमने वाले पथ को 'कक्षा' कहते हैं।

लेकिन इस स्पेस स्टेशन पर गुरुत्वाकर्षण शक्ति न होने के कारण, उतने ही ईंधन में रॉकेट दस गुना ज्यादा दूरी तय कर सकता है...
... हमने मंगल ग्रह पर एक मानव सहित रॉकेट भेजने का प्रोग्राम बनाया है, जो इसी स्पेस स्टेशन से उड़ेगा...
...और उस रॉकेट के अंतरिक्ष यात्री होंगे तुम!
तुम... सुपर कमांडो ध्रुव!
मैं?
हां, ध्रुव! तुममें वे सारी खूबियां हैं, जो एक आदर्श अंतरिक्ष यात्री में होनी चाहिए। स्वस्थ शरीर और चुस्त दिमाग का इससे अच्छा संगम हमको नहीं मिल सकता!...
... मंगल ग्रह पर मानव सहित रॉकेट भेजने के प्रोग्राम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, आदर्श अंतरिक्ष यात्री...
... इस अभियान से पूरे भारत का सिर गर्व से तन जाएगा। और अपने देश को यह गौरव सिर्फ तुम ही दे सकते हो!
अपनी मातृभूमि के लिए तो मेरी जान भी हाजिर है, सर! मैं इस अभियान के लिए तैयार हूं।
शाबाश! हम तुमको छः महीने में पूरी तरह से ट्रेन कर देंगे। आज से ही ट्रेनिंग शुरू कर दें तो कैसा रहेगा?
ठीक है सर! लेकिन मेरी एक शर्त है। ट्रेनिंग का वक्त मेरे अनुसार तय किया जाएगा...
... क्योंकि मैंने राजनगर में कानून और शांति बनाए रखने का बीड़ा भी उठाया हुआ है। जब तक मैं यहां हूं, तब तक मैं उस काम को नजर अन्दाज नहीं कर सकता...।
मुझे मंजूर है।
अगले हफ्ते हम एक नया उपग्रह छोड़ने जा रहे हैं। इसको पृथ्वी की स्थिर कक्षा में स्थापित किया जाएगा।...
... इसलिए एक हफ्ते तक तो मैं काफी व्यस्त रहूंगा। और उसके बाद इस नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा!

ध्रुव की ट्रेनिंग शुरू हो गई थी-
ये तुम्हारी ट्रेनिंग का पहला सबक है ध्रुव!
रॉकेट जब उड़ता है तो शरीर पर पड़ने वाला गुरुत्त्व बल कई गुना ज्यादा बढ़ जाता है...
...यह यंत्र तुमको ठीक वैसा ही दबाव देकर तुम्हारे शरीर को उसका आदी बना देगा।
और दूसरी तरफ हो रही थी एक षड्यंत्र की शुरुआत-
बेकार! ये 'लेसर ब्लास्ट' भी उतना शक्तिशाली नहीं है, जितना मुझे चाहिए!
मैं यह टकराव नहीं चाहता था। अपना प्लान गुप्त रखना चाहता था मैं। लेकिन क्या करूं, शायद ऊपर वाले ने 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के गार्डों की मौत 'सुपर नोवा' के हाथों में ही लिखी है।
अब क्या होगा, मास्टर? सैटेलाइट के छोड़े जाने में सिर्फ एक हफ्ता बचा हुआ है।
यानी हमारे पास और प्रयोग करने का वक्त नहीं है। अब एक ही रास्ता है। हमको 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' जाकर वहां से 'ट्रायल लेसर वेल्डर' को लेकर आना होगा।...
...ताकि उसको देखकर मैं अपना सुपर लेजर तैयार कर सकूं।
तैयार हो जाओ, स्पेस ट्रेनिंग सेंटर वालो...
...आज रात तुम्हारी मौत का फर्मान लेकर आ रहा है सुपर नोवा!

और उस रात– जब ध्रुव अपनी रात की गश्त खत्म करके, अपनी ट्रेनिंग में व्यस्त था–

ये हमारी स्पेशल लैब है ध्रुव! इसमें हमने 'स्पेस सर्विस स्टेशन' की हूबहू नकल करने की कोशिश की है…

…यहां तक कि हमने एक खास तकनीक से इस पूरे कक्ष को गुरुत्वाकर्षण रहित क्षेत्र बना दिया है। यहां पर ट्रेनिंग लेने के बाद तुमको अंतरिक्ष में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी!

इधर मेग्नेटिक जूते पहने डायरेक्टर साहब ध्रुव को समझा रहे थे–

और इधर स्पेस ट्रेनिंग सेंटर के कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के घेरे में मौजूद मुख्य द्वार पर–

आऽऽऽह! ये रात की ड्यूटी का चक्कर बड़ा खराब होता है यार! खतरा भी ज्यादा होता है, और नींद भी ज्यादा आती है!

रघुपति वो देख!

ये… ये कैसे अन्दर आ गया?…

…मेन गेट तो बंद है। कूद कर आया क्या?
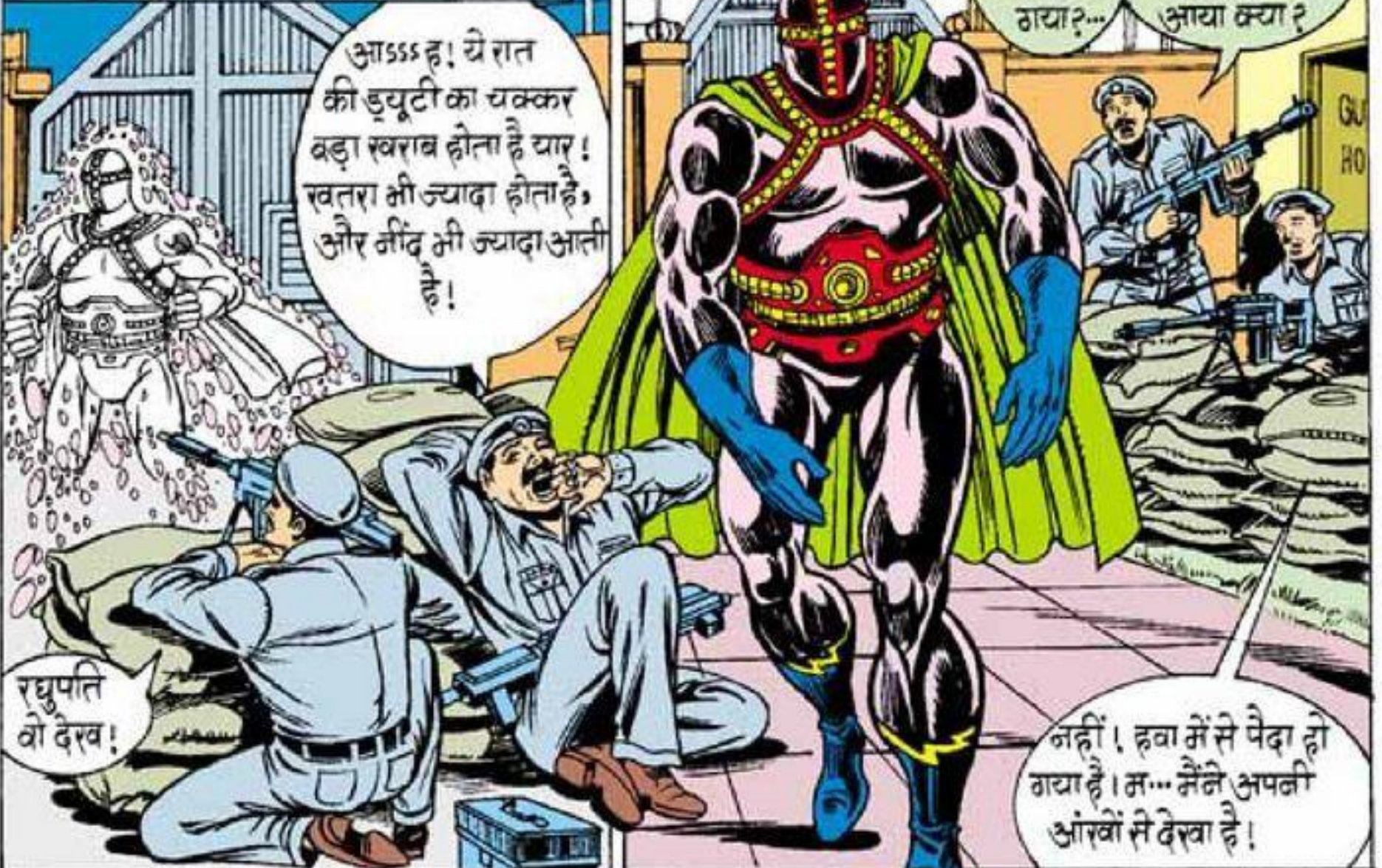
नहीं। हवा में से पैदा हो गया है। म… मैंने अपनी आंखों से देखा है!

अरे! ये तो मेन बिल्डिंग की तरफ जा रहा है... प्रतिबंधित क्षेत्र में!...
...रुक जाओ! वर्ना गोली मार दी जाएगी!
लेकिन वह आकृति नहीं रुकी-
और मजबूरन सिक्योरिटी गार्डों की ऑटोमेटिक गनें गरज उठीं। लेकिन-
यह क्या? हमारी गोलियां तो इसके आर-पार जा रही हैं।...
...असंभव!
इसको पकड़ना होगा...
...दौड़ो!
लेकिन इससे पहले कि गार्ड उस तक पहुंच पाते-
ओह माई गॉड! मुख्य प्रवेश द्वार बंद है, लेकिन यह उसके आर-पार जा रहा है!
यह तो कांप्लेक्स के अंदर पहुंच गया है। जल्दी से ताला खोलकर इसे रोको!
पहले ताला खुला, और फिर दरवाजा-
अरे! कहां चला गया? अभी-अभी तो अंदर घुसा था वह!
एलार्म बजा दो!

★ होलोग्राफिक इमेज: स्पेशल प्रोजेक्टर द्वारा प्रक्षेपित किया जाने वाला तीन आयामी (3D) चित्र, जो दिखने में एकदम वास्तविक सा लगता है-

मेरे अनुमान के हिसाब से, लेसर वेल्डर को सुरक्षित रूप से रखने के लिए इस इमारत में गिनी-चुनी जगहें ही हैं। और उन जगहों के बारे में मैंने अपने आदमियों को पहले ही बता दिया है। उन जगहों को चेक करने में उनको कुछ ही मिनटों का वक्त लगेगा।
यानी जब तक ये बाहर से मदद मंगवा पाएंगे, तब तक हम यहां से 'लेसर वेल्डर' लेकर निकल चुके होंगे!
लेकिन 'सुपर नोवा' यह नहीं जानता था कि 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' को बाहर से मदद मंगवाने की कोई जरूरत नहीं थी-
मदद वहीं पर मौजूद थी-
रेड एलर्ट! रेड एलर्ट! बाहर से कुछ अवांछित तत्त्व सेंटर में घुस आए हैं।...
...सभी सुरक्षा यूनिट कॉरीडोर नम्बर 26 की तरफ बढ़ें! डबल स्पीड!
अवांछित तत्त्व! लेकिन ये गुंडे कांप्लेक्स के अंदर घुसे कैसे?
फिलहाल तो ये सोचना ज्यादा जरूरी है कि वे यहां पर घुसे क्यों हैं। यह बात सिर्फ वे ही बता सकते हैं!
और उसके लिए बाहर निकलकर उनको पकड़ना आवश्यक है।
सुरक्षा व्यवस्था जबरदस्त थी-
कुछ ही सेकंडों में कॉरीडोर नंबर 26 को घेर लिया गया था-
वह रहा! चुपचाप खड़े रहो, वर्ना गोलियों से भून डाले जाओगे!

एक सेकंड बाद 'लेसर वेल्डर' सांचेज के हाथ में था-

और उसके एक सेकंड बाद उसके हाथ से बाहर-

NO TRESPASSING

आऽऽऽह!

कौन है तू लड़के? सांचेज से उलझकर भरी जवानी में अपनी मौत को क्यों बुलाना चाहता है?

तुम्हारे यह बोलने से दो बातें साफ हो गई हैं। पहली तो यह कि तुमको किसी ने विदेश से इम्पोर्ट किया हुआ है...

...क्योंकि इस देश के सारे छोटे-बड़े अपराधी ध्रुव को पहचानते हैं!...

...और दूसरी यह कि तुम विदेश के भी छोटे-मोटे नहीं, बल्कि बड़े अपराधी हो...
... बुलेट प्रूफ शीशे को एक कराटे चॉप से तोड़ देने वाला आदमी मामूली नहीं हो सकता !
और अब अपने सवाल का जवाब भी सुन लो !
सुपर कमांडो ध्रुव अपनी मौत कभी नहीं बुलाता...
...बल्कि तुम्हारे जैसे समाज के गन्दे घुन उसको अपनी मौत कहकर पुकारते हैं।
इस बात का फैसला तो एक मिनट में हो जाएगा...
...अपराध की दुनिया में आने से पहले, मैं स्पेन में बुल-फाइटर था। और एक बार, जब एक सांड ने मुझ पर हमला करके तलवार मेरे हाथों से गिरा दी थी, तो मैंने उसको एक ही घूंसे से मार डाला था !
धम्म
मानता हूं प्यारे, कि ताकत में तुम सांड से कम नहीं हो। लेकिन अक्ल में तुम जरूर सांड से भी कम लगते हो...
...और लड़ाइयां ताकत से नहीं, फुर्ती और अक्ल से जीती जाती हैं। आदमी के शरीर में कई ऐसे स्थान होते हैं, जिनको अगर हल्के से भी दबा दिया जाए तो आदमी बेदम हो जाता है।
सांय

जैसे कोहनी के अंदर की ये नस!...
...इसको दबाते ही ऐसा लगता है, जैसे बिजली का तार बदन से छू गया हो! है न?
सांचेज का पूरा शरीर झनझना उठा-
और ध्रुव के एक भीषण वार ने उसके दांत हिला दिए-
अब तुम मुझे बताओ कि तुम यहां पर घुसे कैसे?
और इस लेसर वेल्डर को चुरा कर क्या करना चाहते थे?
लेकिन जवाब मिलने से पहले ही-
तड़ंक
आऽऽऽह!
लूका! तू भी सारी जगहें चेक करता हुआ यहीं पर आ गया?
हां! लेकिन यह लड़का हमको पहचान गया है। इसका जिन्दा रहना हमारे हित में नहीं है।
नाल, ध्रुव के चकराते सिर की तरफ घूम गई। और ट्रिगर दबने लगा-

उसी कॉम्प्लेक्स में कई और ट्रिगर भी दबने को तैयार थे -
तो तुम लोग मुझे गिरफ्तार करना चाहते हो। ठीक है, कर लो! लेकिन गिरफ्तार करने से पहले एक बार मुझे ध्यान से देख जरूर लो...
...क्योंकि इसके बाद तुम लोग कुछ भी और नहीं देख पाओगे!
आह!
यह क्या है?
मेरी आंखें!

सुपर नोवा अपने सारे काम एक ही हथियार से करता है। प्रकाश ऊर्जा यानी लाइट एनर्जी से...
...और यह था मेरा पहला वार! सुपर स्ट्रांग अल्ट्रा वॉयलेट किरणों का एक तेज झमाका...
...वह झमाका जिसने तुम सबकी आंखों की कोशिकाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।...
...यह सब अखबार वालों को बताना भूलना मत...
...और सबसे पहले उनको मेरा नाम बताना! सुपर नोवा!
मास्टर, आप यहां पर हैं?
क्या हुआ शिवा? लेसर वेल्डर मिल गया क्या?
मुझे तो नहीं मिला! अपने हिस्से की सारी जगहें मैं चेक कर चुका हूं।
तो अब तक वह सांचेज या लूका को जरूर मिल गया होगा। आओ, चलकर उनको ढूंढते हैं।
सांचेज और लूका को मौका रहते ही 'लेसर वेल्डर' लेकर भाग जाना चाहिए था-
उन्होंने ऐसा नहीं किया, और यहीं पर वे गलती कर गए-
मुझे धातु की चमकती दीवार में लूका का प्रतिबिम्ब दिख गया था! इसलिए मैं समय रहते झुक गया...
...और वार मुझे पूरी तरह से लग नहीं पाया!
लेकिन मेरा सिर अभी भी हल्का-हल्का घूम रहा है!
मुझे सबसे पहले तो लूका की गोली से बचना है। और उससे मुझे बचाएगा, कांच का ये टुकड़ा!

... जो सांचेज द्वारा तोड़ा गया बुलेटप्रूफ कांच का टुकड़ा है।...
... लेकिन अभी मैं इन दोनों महारथियों से एक साथ लड़ सकने की हालत में नहीं हूं।...
आह!
खच्च
... इसीलिए मुझे संभलने के लिए थोड़ा सा समय चाहिए। और फिर मैं इनको उसी जगह पर ले जाकर पीटूंगा, जहां पर मैं चाहता हूं।
अगले ही पल ध्रुव, लेसर-वेल्डर को लेकर दरवाजे से बाहर निकल गया-
अरे! पकड़ो उसे! वह 'लेसर वेल्डर' लेकर भाग रहा है।
RESTRICTED AREA
वो रहा! उस कमरे में घुस रहा है!
अब यह हमसे नहीं बचेगा!
बेचारे लूका और सांचेज यह नहीं जानते थे...
...कि जिस कक्ष में वे घुस रहे हैं, वह एक स्पेशल ट्रेनिंग लैब रूम है-
कहां गया वह?
जहां पर एक बटन दबाते ही-

कहानी 19वें पृष्ठ से जारी

ऐसी लड़ाई न तो सांचेज ने कभी बुल-फाइटिंग रिंग में लड़ी थी...
धम्मम्मम
आऽऽऽह!

...और न ही लूका ने माफिया गैंगों में-
तड़ाक
ध्रुव के शक्तिशाली वारों ने, कुछ ही पलों में दोनों को ही धूल चटा दी-

अब बताओ, लूका, सांचेज एंड कंपनी! इस 'लेसर वेल्डर' का तुम क्या करने जा रहे थे?...
...अब तो तुम्हारी खातिर मैंने गुरुत्वाकर्षण बटन भी बंद कर दिया है!
ये लोग नहीं...
...लेसर वेल्डर लेने इनको मैंने भेजा था...

...मैंने यानी सुपर नोवा ने!
ओह! तो तुम ही इन लोगों के बॉस!...
...तुम भी अपना वार करके देख लो!

मैं तुम पर वार नहीं करूंगा, ध्रुव! तुम्हारे बारे में मैंने काफी कुछ सुन रखा है। तुम मेरे किसी भी वार से बचने की क्षमता रखते हो...
...लेकिन अगर तुमने लेसर-वेल्डर मेरे हवाले न किया तो...

...शिवा, इस डायरेक्टर की खोपड़ी उड़ा देगा !
?
ध्रुव समझ रहा था कि सुपर नोवा खोखली धमकी नहीं दे रहा है-
उसके सामने और कोई रास्ता नहीं था-
ये लो सुपर नोवा ! लेसर वेल्डर ।
थैंक्यू मिस्टर ध्रुव !
अब चलो मूर्खो ! एक लड़के को नहीं संभाल सकते !
सांचेज और लूका के साथ...
...लेसर वेल्डर लेकर सुपर नोवा कक्ष से बाहर निकल गया, और दरवाजा बाहर से बंद कर दिया गया-
चलते- चलते तेरे लेसर वेल्डर की भी टेस्टिंग कर ली जाए, डायरेक्टर !
लेसर वेल्डर की तेज गर्मी ने दरवाजे की धातु को पिघलाकर, दरवाजा सील कर दिया-

अच्छा, डायरेक्टर! अगर तुम्हारी जिन्दगी रही तो फिर मिलेंगे!
डायरेक्टर साहब का दिमाग अंधेरे में डूबता चला गया-
तड़ाक
ध्रुव अंदर बंद था। और अब सुपर नोवा को रोकने वाला कोई भी नहीं था-

और फिर बाद में-
मारा तो कोई भी नहीं गया ध्रुव, लेकिन हमारे इक्कीस गॉर्ड अंधे हो गए हैं ...
... तेरह के तो इलाज की कुछ उम्मीद है, लेकिन आठ गॉर्ड पूरी तरह से अंधे हो चुके हैं। ...
... तेज अल्ट्रावायलेट किरणों ने उनकी आंखों की कोशिकाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।
मेडिकल रूम

ये देखो! हमारे चीफ गॉर्ड सिंदार सिंह की हालत!
ओ माई गॉड!

और यह सब उस लेसर वेल्डर के कारण है, जो अभी तक प्रायोगिक स्तर पर ही था...
... मुझे समझ में नहीं आता कि आखिर सुपर नोवा उस लेसर वेल्डर का करेगा क्या?

यह सुपर नोवा तो बहुत खतरनाक आदमी है। और अब तक की जानकारियों से इतना स्पष्ट हो चुका है, कि वह अपने सारे अपराध प्रकाश किरणों के सहारे ही करता है। लेकिन यह पता नहीं चला कि अब उस तक कैसे पहुंचा जा सकता है!
उसको तो बाद में देखेंगे। फिलहाल तो मुसीबत यह है कि इस हादसे के बाद प्रेस वाले इतने सवाल पूछ रहे हैं कि अब मुझे मजबूर होकर इनको तुम्हारे मंगल-अभियान के बारे में बताना ही पड़ेगा!
मेडिकल रूम

सारे प्रेस रिपोर्टर एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि सुपर कमांडो ध्रुव इस हादसे के वक्त, स्पेस ट्रेनिंग सेंटर में क्या कर रहा था?

इससे महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि सुपर नोवा उस लेसर वेल्डर से क्या करने जा रहा है?

यह तुम सोचो! मैं तो कल सुबह श्री हरिकोटा जा रहा हूं, जहां से नई सेटेलाइट को छोड़ा जाना है।

मुझे किसी गंभीर खतरे का एहसास हो रहा है। सुपर नोवा ने पूरी दुनिया से खूंखार अपराधियों को आखिर क्यों जमा कर रखा है? मुझे समय रहते इस षड्यंत्र का पता लगाकर इसको नाकाम करना होगा।

ध्रुव का डर बेबुनियाद नहीं था –

क्योंकि इस षड्यंत्र का पहला चरण सफल होने के बाद, दूसरा चरण शुरू हो चुका था –

अब मुझे अपना लेसर ब्लास्टर बनाने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। इस लेसर वेल्डर में जो तकनीक प्रयोग में लाई गई है, मैं उसकी नकल करके कुछ ही दिनों में अपना लेसर ब्लास्टर बना सकता हूं।

मास्टर! ये लीजिए। ये वैज्ञानिक, सेटेलाइट छोड़े जाने वाले प्रोग्राम का चीफ है। डॉक्टर प्रभु श्रीवास्तव!

डिटेल बताओ!
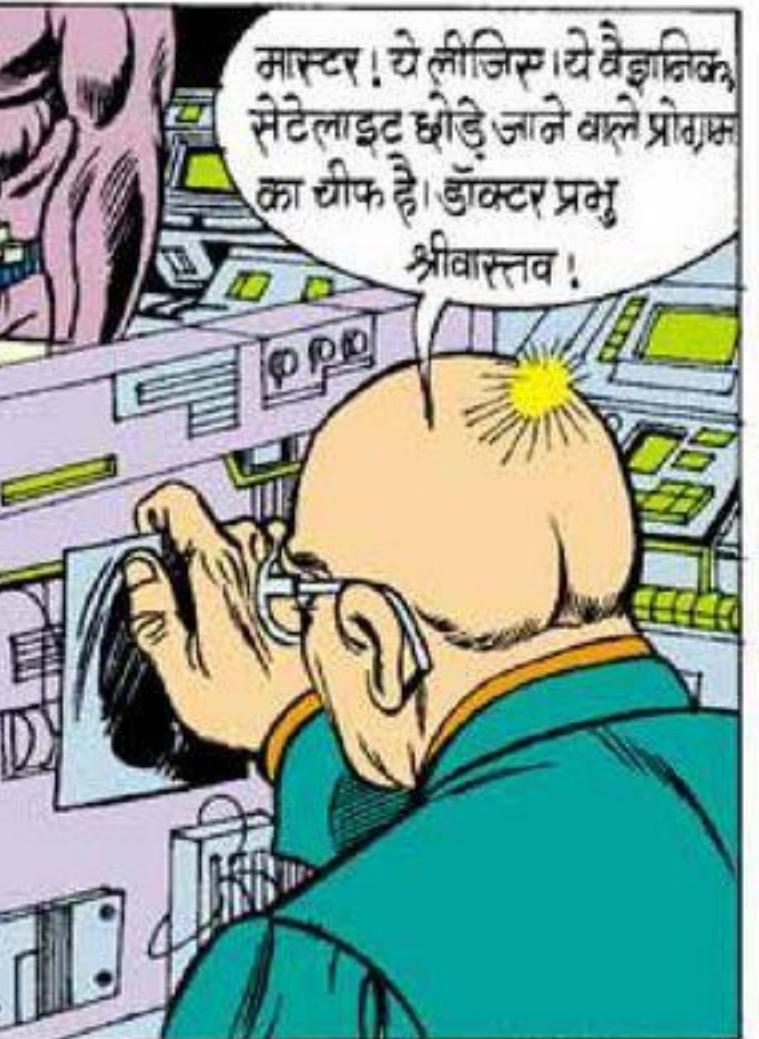
प्रतिभाशाली वैज्ञानिक है। एक खूबसूरत बीवी है। और पांच साल का एक बेटा है... शादी के आठ साल बाद हुआ है। श्रीवास्तव श्रीहरिकोटा में है। ...
... लेकिन इसकी बीवी और बच्चा राजनगर में ही रहते हैं...
आहा! बड़ा प्यारा बच्चा है। बीवी भी खूबसूरत है...
... हम इनसे मिलना चाहते हैं। इनको हमारा मेहमान बनाकर यहां ले आओ ...
... और फिर श्रीवास्तव के पास ये छोटा सा पैकेट पहुंचा देना! ...
... जाओ काम चालू कर दो!
इधर सुपर नोवा अपने षड्यंत्र को अन्तिम रूप दे रहा था ...
... और दूसरी तरफ पूरे राजनगर में एक उत्तेजना की लहर दौड़ रही थी -
वाह! वाह!
कमाल है!
राजनगर का नाम ऊंचा कर दिया।
इसी वक्त -
कितनी आश्चर्यजनक खबर है! ...

...पृथ्वी का कचरा अंतरिक्ष में फेंका जा रहा है।
यह तो एक गंभीर खबर है। कमाल है! मैंने इसको क्यों नहीं पढ़ा? ला देखूं तो!
ये देखो!
ये तो मेरे मंगल ग्रह जाने वाली खबर है...
...कचरे वाली खबर कहां..?
एक ही बात है!
अच्छा! मुझे कचरा कहती है...
...आज मैं तेरी चोटी की पोनीटेल बनाकर ही रहूंगा!
जेल चले जाओगे! लड़कियों की चोटी काटना संगीन जुर्म है...
...देखो! फिर कोई फोन आया। सुबह से दो सौ ग्यारहवां!
ट्रिन ट्रिन ट्रिन ट्रिन
हेलो sss
हैल्लो! ध्रुव जी हैं?
बाल काटने वाली कैंची ढूंढ रहे हैं।
आप कौन हैं?
मैं उनकी एक जबरदस्त फैन हूं। उनकी मंगल ग्रह जाने वाला पहला अंतरिक्ष यात्री होने पर बधाई देना चाहती थी।
अजी बधाई कैसी...

...वो तो आया ही मंगल ग्रह से था। अब वापस जा रहा है।
हाई! सच में? आप कौन बोल रही हैं?
मैं उसकी चाची बोल रही हूं। मंगल ग्रह से उसको लेने आई हूं...
...हैलो...हैलो! फोन रख दिया। घबरा गई बेचारी!

घबरा ही जाएगी! सोच रही होगी कि शायद पागलखाने का नंबर मिल गया...
...लेकिन किसी रिपोर्टर से ऐसा मजाक मत कर देना। वर्ना वो सच समझकर पेपर में छाप देगा!
समझीं, चाची जी?
यहां तो बात हंसी-मजाक में टल रही थी...

...और वहां से दूर- श्री हरिकोटा लांचिंग स्टेशन पर किसी की खुशी में, गहरा दुःख मिला हुआ था-
क्या बात है, प्रभु श्रीवास्तव जी? इतनी बड़ी उपलब्धि मिलने पर भी आप खुश नहीं दिखाई पड़ रहे?

अपने देश से गद्दारी करने वाला भला खुश कैसे रह सकता है। मुझे इस सेटेलाइट में एक ऐसा यंत्र फिट करने पर मजबूर होना पड़ा है, जो मुझे कुछ आपराधिक तत्वों ने भेजा था! और मुझे ऐसा करने पर मजबूर किया है...

...इस फोटोग्राफ ने। गुंडों के चंगुल में फंसे मेरी पत्नी और बेटे के फोटो ने। और अगर मैंने अपनी जुबान खोली, तो वे उनको निश्चित रूप से मार डालेंगे!

सेटेलाइट छोड़े जाने की खबर तुरंत ही चारों तरफ फैल गई-
बधाई हो मास्टर! सेटेलाइट छोड़ी जा चुकी है। और आपके द्वारा भेजा गया यंत्र उसमें फिट है...
मेरी लेसर-गन भी तैयार है, सांचेज!...
...लेकिन न जाने क्यों मुझे कुछ न कुछ गड़बड़ होने की आशंका सता रही है।
क्यों मास्टर? हमारे प्लान को सिर्फ प्रभु श्रीवास्तव ही मटियामेट कर सकता है। और वह ऐसा कभी नहीं करेगा। क्योंकि उसका परिवार हमारे कब्जे में है।
उसकी तरफ से नहीं, मुझे खतरा इसकी तरफ से है।
INDIAN TIMES
DHRUVA TO BE FIRST MAN ON MARS
ध्रुव की तरफ से? लेकिन वह तो हमारे बारे में कुछ भी नहीं जानता?
जानता नहीं है तो जान जाएगा। तुम उसके बारे में नहीं जानते सांचेज!
अब जब तक वह मेरे और मेरे प्लान के बारे में पता नहीं लगा लेगा, तब तक वह चुप नहीं बैठेगा!
तब तो इससे पहले कि वह कुछ गड़बड़ कर पाए, हम उसको खत्म कर देते हैं, मास्टर!

और उसी रात—

आज मैं बहुत खुश हूं ध्रुव! एक तो हमारी सेटेलाइट 'चन्द्रशेखर' का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण हो गया...

...और दूसरा तुम्हारा ये नवीनतम डिजाइन का स्पेस-सूट तैयार होकर आ गया!

ये स्पेस-सूट अंतरिक्ष के वैक्यूम को सहने के साथ-साथ, बहुत तेज गर्मी को भी सह सकता है। जब तुम 'लेसर वेल्डर' के साथ स्पेस स्टेशन पर काम करोगे, तब यह तुम्हारी पूरी तरह से रक्षा करेगा!...

...आज तुम इस गुरुत्वाकर्षण रहित क्षेत्र में स्पेस-सूट पहनकर प्रेक्टिस करो! मैं कुछ फाइलें निपटाकर अभी आता हूं।

ध्रुव को उस कक्ष में छोड़कर डायरेक्टर साहब बाहर निकल गए—

और इस हरकत ने शायद उनकी जान बचा ली-

क्योंकि इसी वक्त-कंपाला हिल्स पर स्थित उजाड़ ऑबजरवेटरी में-☆
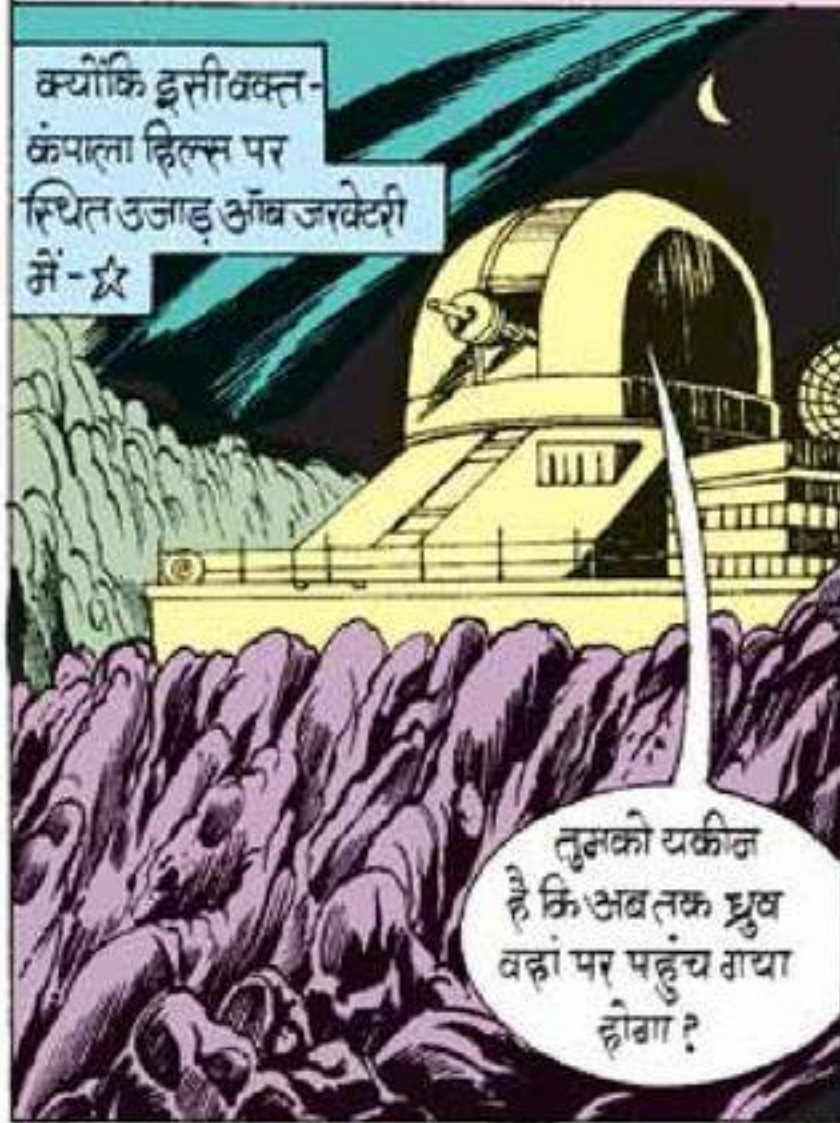
तुमको यकीन है कि अब तक ध्रुव वहां पर पहुंच गया होगा?

यकीन नहीं, पक्का पता है। मेरे आदमी ने अभी-अभी मैसेज भेजा था...

... ध्रुव, 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' में पहुंच चुका है।

अगर पहुंच चुका है तो वह 'ट्रेनिंग सेंटर' के उसी हिस्से में होगा, जहां पर ट्रेनिंग लैब बनी हुई है।

'लेसर-गन' को चार्ज करो! ...

... तब तक मैं इस गन को निशाने पर फिक्स करता हूं।

स्पेस ट्रेनिंग सेंटर पर एक भीषण विपदा आने वाली थी-

लेकिन स्पेस ट्रेनिंग सेंटर के अंदर बैठे लोग इस आने वाली मुसीबत से अंजान थे-

आओ, डायरेक्टर वेंकट राजू! बड़ा इंतजार करवाया तुमने! ...

... मैं तो तुम्हारे ऑफिस में बैठा-बैठा एक नींद भी मार चुका!

☆ ऑबजरवेटरी- नक्षत्रों एवं ग्रहों के अध्ययन के लिए ऊंचाई पर बनी एक खास इमारत, जिसमें टेलिस्कोप लगा रहता है।

... बाद में हम ध्रुव को हटाकर किसी ऐरे-गैरे को अंतरिक्ष यात्रा पर भेज देते। लेकिन इतनी पब्लिसिटी के बाद अब यह काम बहुत मुश्किल होगा। और अगर ध्रुव अन्त तक हमारे प्रोजेक्ट में शामिल रहा तो फिर समझ लो कि क्या हो सकता है!

पैसे तो जल्दी मिल गए न! तुम तो ऐसे चिल्ला रहे हो, जैसे आसमान सिर पर टूट पड़ा हो!

आसमान तो नहीं टूटने वाला था...

नोट: डॉक्टर साहा से ध्रुव की मुलाकात 'हत्यारी राशियां' कॉमिक में हो चुकी है।

...लेकिन आसमान से कुछ और जरूर नीचे गिरने वाला था-

लेसर-गन पूरी तरह से चार्ज हो चुकी है, मास्टर !

निशाना भी फिक्स हो चुका है...

...और ये दबा बटन !

और एक चमकती लकीर अंधेरे के सीने को चीरती हुई, पृथ्वी के वायुमंडल को पार करती हुई...

...सेटेलाइट 'चन्द्रशेखर' में फिट उस यंत्र से जा टकराई, जो 'सुपर नोवा' द्वारा डॉक्टर प्रभु श्रीवास्तव के पास भेजा गया था-

यह यंत्र वास्तव में एक 'परावर्तक' यानी रिफ्लेक्टर था-

जो 'लेसर किरण' को निर्धारित कोण पर मोड़ देने की क्षमता रखता था-

रिफ्लेक्टर ने लेसर किरण को सोखने में कुछ सेकंड का समय लिया...
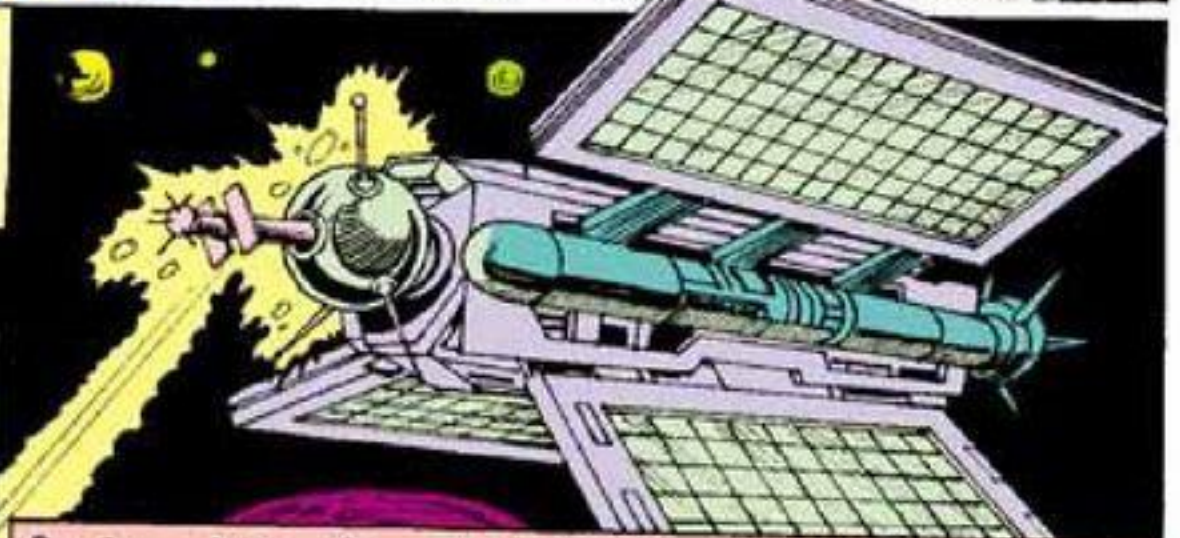
...और फिर लेसर किरण अपने निशाने की तरफ चल पड़ी-

और वह निशाना था...

...राजनगर के स्पेस ट्रेनिंग सेंटर का वह हिस्सा...

...जहां पर ट्रेनिंग के लिए स्पेशल लैब बनी हुई थी-

ध्रुव को सिर्फ आधे सेकंड पहले खतरे का आभास हुआ...
ये धुंआ?
...और उस आधे सेकंड में वह कुछ नहीं कर सकता था–
कड़.ड़.ड़.ड़.ाम
यह क्या?
'ग्रेविटी फ्री' लैब में धमाका हुआ है!
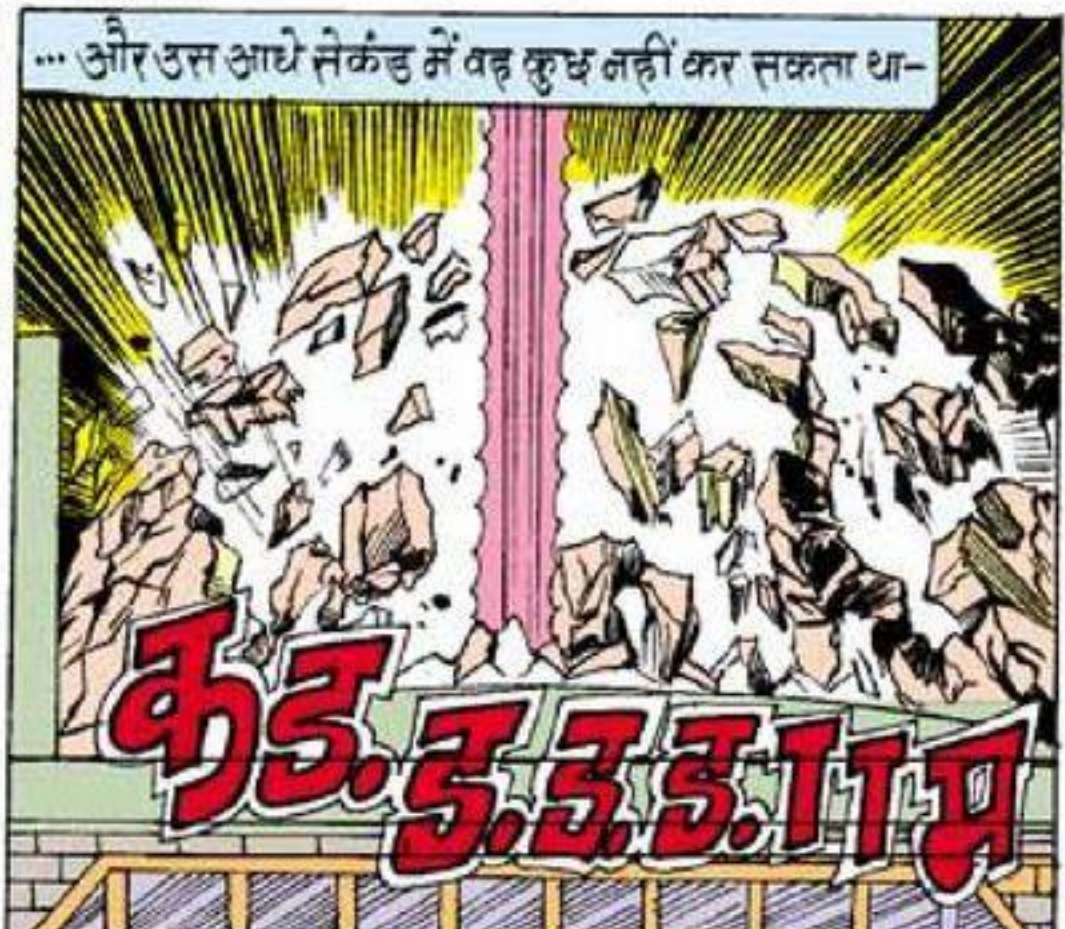
कहीं पर गूंज रहा था धमाका–
और कहीं पर गूंज रहा था ठहाका–
हाहा हाहा! स्वान! मेरी लेसर-गन एकदम परफेक्ट काम कर रही है!...
...बड़ा पैसा और मेहनत लगाई है मैंने इसमें! अब समय आ गया है आतंकवादी संगठनों के ऑर्डरों को पूरा करके मुनाफा कमाने का!
स्पेस ट्रेनिंग सेंटर में भगदड़ मची हुई थी–
ओ माई गॉड! यह सब क्या हो रहा है?
कल कोई 'लेसर वेल्डर' चुरा ले गया और आज ये लैब, मलबा बन गई!...
...लेकिन ध्रुव कहां गया? वह तो यहीं पर प्रैक्टिस कर रहा था!
इस धमाके से किसी का भी बच पाना असंभव है, सर!
चलो, अच्छा ही हुआ। बला टली!
मैं यहां पर हूं डायरेक्टर साहब!
आपके इस 'स्पेस सूट' ने मुझे बचा लिया...
लेकिन यह हादसा हुआ कैसे? क्या हुआ था?

यह तो मुझे भी नहीं पता! मुझे तो बस इतना पता है कि पहले छत से धुआं निकलना शुरू हुआ...
...और फिर आधे सेकंड बाद धमाका हो गया... ओ, हैल्लो... डॉक्टर साहब! कैसे हैं आप?
अच्छा हूं।...
...और तुमको भी अच्छा देखकर खुशी हुई।
लेकिन मेरी तो बरबादी हो गई। मेरी लैब नष्ट हो गई।...
...और किसी को यह पता ही नहीं कि यह धमाका आखिर हुआ कैसे?
यह धमाका कम से कम बारूद से तो नहीं हुआ है। और न ही मिसाइल या रॉकेट जैसे किसी विस्फोटक से!...
...क्योंकि उस स्थिति में वातावरण में बारूद की महक फैली हुई होती!
तो फिर तुम्हारे ख्याल से यह विस्फोट कैसे हुआ है?
मेरा शक तो 'लेसर वेल्डर' पर जा रहा है। 'लेसर किरण' ऐसा विनाश कर सकती है।
तुम्हारा मतलब है कि यह तबाही उस छोटे से 'लेसर वेल्डर' ने मचाई है? असंभव?...
...और फिर तुम्हारे हिसाब से छत से हमला शुरू हुआ। इस कांप्लेक्स के आस-पास या दूर तक भी कोई बहुमंजिली इमारत नहीं है।...
...और छत पर चढ़कर तो कोई 'लेसर वेल्डर' चलाने से रहा।

★ नास्त्रेदमस और डॉक्टर साहा के बारे में जानने के लिए पढ़ें — 'हत्यारी राशियां'

सवाल सिर्फ यह है कि उसने यह हमला कहां से किया है! क्योंकि डायरेक्टर वेंकटराजू के अनुसार, 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के आस-पास ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां से हमला किया जा सके!...
...लेकिन डॉक्टर साहा ने नास्त्रेदमस का नाम लेकर मुझे उस जगह का आइडिया दे दिया। नास्त्रेदमस ने कंपाला हिल्स पर बनी वीरान ऑबजरवेटरी को अपना अड्डा बना रखा था! और ऊंचाई पर बनी उस ऑबजरवेटरी से पूरा राजनगर साफ दिखाई पड़ता है। हो सकता है सुपर नोवा ने यह अटैक वहीं से किया हो!☆
मेरा ख्याल सही भी हो सकता है, और गलत भी! लेकिन उस ऑबजरवेटरी को चेक तो करना ही पड़ेगा। पर उसके पहले मुझे कुछ तैयारी करनी पड़ेगी। शायद सुपर नोवा से मुठभेड़ हो ही जाए!...
और कंपाला हिल्स पर–
मैंने तुमको 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के नष्ट होने का वीडियो टेप, अभी-अभी दिखा दिया है। अब तुम्हारे काम के दाम मैं बताऊंगा!...
...तुम्हारे काम की कीमत पचास करोड़ डॉलर होगी। जो तुम मेरे स्विस बैंक एकाउंट में जमा कराओगे! पैसा मिलते ही काम हो जाएगा!
पैसा कल सुबह नौ बजे तक जमा हो जाएगा...
...ये 'जेहाद-ए मुजाहिदीन के चीफ का वायदा है...

...लेकिन अगर कल सुबह तक हिन्दुस्तान का दिल्ली स्थित संसद भवन उड़ा न दिया गया तो, हमारा भरोसा तोड़ने की तुमको भयंकर सजा मिलेगी!...
...यह भी जेहाद-ए मुजाहिदीन के चीफ का वायदा है।
अरे, दिल्ली का संसद भवन तो क्या, कहो तो वाशिंगटन का व्हाइट हाउस उड़ा दूं...
...क्योंकि इस वक्त मेरे पास वो ताकत है, जिससे मैं यहां पर बैठे-बैठे दुनिया भर में किसी भी जगह पर वार कर सकता हूं।
ठीक है! पहले काम निपटाओ। शेखी बाद में मारना!
ओवर!
वाह! क्या सौदा पटा है! एक ही झटके में लागत से दस गुना मुनाफा वसूल हो गया!...
...अब कल सुबह संसद भवन को मैं उस वक्त उड़ाऊंगा, जब पूरे देश के संसद सदस्य वहां पर बजट अधिवेशन के लिए एकत्रित होंगे। एक ही झटके में हिन्दुस्तान की पूरी लीडरशिप साफ हो जाएगी। हा हा हा!
अब तुम लोगों का काम भी शुरू होता है। तुम सब इस दुनिया के माने हुए शातिर आतंकवादी हो! तुम लोग अपने-अपने संपर्क-सूत्रों का इस्तेमाल करके मेरे पास ऐसे ही बड़े-बड़े कांट्रेक्ट लाओगे!...
...जो भी कांट्रेक्ट लाएगा, उसका बीस परसेंट उसको...
...यह क्या? अलार्म बज रहा है!
किर्र्र्र र्र्र्र
नंबर 23 का अलार्म! यानी ऑब्जरवेटरी की तरफ ऊपर आने वाले रास्ते पर किसी ने अभी-अभी कदम रखा है।...
...आखिर ये कौन जांबाज है, जो मौत के मुंह में आने की हिम्मत...

ओ ऽऽऽ सुपर कमांडो ध्रुव ! मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था !
मैं तो पहले से ही कह रहा था कि इसको उड़ा दो, मास्टर ! पर आपने...
अरे ! तब नहीं तो अब उड़ा देते हैं !...
...दुश्मन को अपने ही इलाके में मारने का मजा ही कुछ और है !...
...मैं इससे निपटने जाता हूं ! तुम आबजरवेटरी के ऊपर लगा 'होलोग्राफिक प्रोजेक्टर' चालू कर दो, बाल्डी !
ओ० के० मास्टर !
एंड बेस्ट ऑफ लक !
और इसी वक्त - कंपाला हिल्स के ठीक नीचे -
वह रही आब्जरवेटरी ! वहां पर बत्तियां जल रही हैं ! यानी अंदर कोई तो जरूर है...
...अगर मैं सीधे रास्ते से गया तो जरूर देख लिया जाऊंगा... चट्टानों पर चढ़कर जाना होगा !
मुझे बहुत संभलकर काम करना होगा ! क्योंकि अब मुझे यकीन होता जा रहा है कि सुपर नोवा यहीं पर...
अरे ! ऑब्जरवेटरी एक धमाके के साथ उड़ गई ! कैसे ?

उसको मैंने नष्ट कर दिया।... सिर्फ तुमको चेतावनी देने के लिए!
सुपर नोवा! यानी... यानी वह उजाड़ ऑब्जरवेटरी तुम्हारा अड्डा नहीं थी?
अगर होती तो मैं उसको उड़ाता क्यों? उसके बजाय तुमको ही उड़ा देता!
मेरा अड्डा कहां पर है, यह तुम अगर जन्म-जन्मांतर तक भी ढूंढते रहे तो पता नहीं लगा पाओगे!
इसीलिए मेरी बात मानो। और मेरा पीछा छोड़कर वापस लौट जाओ!
यह मुझे ऑब्जरवेटरी तक जाने नहीं देना चाहता! बहला-फुसलाकर मुझे वापस भेजना चाहता है। यानी ऊपर कुछ गड़बड़ जरूर है!
तुम्हारा अड्डा कहां पर है, यह सिर्फ चन्द लोग ही जानते होंगे। और तुम उनमें से एक हो!...
... इसलिए तुम ही मुझे अपने बिल के बारे में बताओगे!

दुश्मन को चेतावनी देना सुपर नोवा की आदत नहीं है ध्रुव! यह तो मैं सिर्फ तुमको इज्जत देने के लिए बता रहा था...
...लेकिन अगर तुम मरना ही चाहते हो, तो यह तुम्हारी मर्जी है। मेरी नहीं!
माथे के बीचो-बीच लगे पत्थर ने ध्रुव का दिमाग हिलाकर रख दिया-
तड़ाक
और साथ ही साथ सुपर नोवा की उंगलियां भी हरकत में आ गईं-
यह सारा इंतजाम मैंने बहुत पहले से ही करके रखा था। तुम्हारे जैसे किसी टांग अड़ाने वाले की टांगें तोड़ने के लिए!
गुड बॉय मिस्टर ध्रुव!
पैरों के नीचे पैदा हुई हल्की सी थरथराहट ने ध्रुव को सावधान कर दिया-
?
क्योंकि अगले ही पल, पथरीली जमीन फटने से पहले ही ध्रुव अपनी जगह छोड़ चुका था-
बड़ाााााम
और इस सावधानी ने उसकी जान बचा ली-

लेकिन धमाके नहीं रुके -
और न ही ध्रुव -
बाऽऽऽऽऽड़
भाड़
और फिर जब धमाके खत्म हुए तो -
च-च-च ! तुम्हारी सारी सावधानी बेकार गई सुपर नोवा ! तुम्हारे द्वारा बिछाई गई 'रिमोट कंट्रोल लैंड माईनें' भी मुझे खत्म नहीं कर पाई।
इनका उद्देश्य तुमको खत्म करना था भी नहीं, सुपर कमांडो ध्रुव !
इनका उद्देश्य तो सिर्फ इस खाई को बनाना था ! ताकि तुम अपनी मौत से बचकर भाग न पाओ...
अब तुम्हारे आगे खाई है...
...और तुम्हारे पीछे...

...तुम्हारी मौत!
गर्रर्रर्रर्रर्र
हे भगवान! यह कैसा प्राणी है। ऐसा प्राणी तो मैंने पहले कभी नहीं देखा...
...टी०वी०तक पर नहीं!

...और अब शायद कभी देखूंगा भी नहीं! क्योंकि अब ये पहले मुझे अपने मुंह से निकलती आग से भूनेगा...
...और फिर डिनर बनाकर खा जाएगा।
फुऽऽश
भागने का भी रास्ता नहीं है...
...पीछे खाई है, और सामने ये यमदूत!...
...शायद एक सही और सटीक वार मेरी मौत को कुछ देर के लिए टाल सके।
तड़
यह क्या?
पत्थर इसके आर-पार निकल गया! पर कैसे?
यह प्राणी कम से कम हवा का तो बना नहीं हो सकता!
एक ही संभावना हो सकती है। और वह यह कि यह कोई असली वस्तु न होकर कोई तीन आयामी आकृति हो!...
...ऐसी चीज मैं पहले भी आपाल में देख चुका हूं।★
वैसे भी सुपर नोवा अपने सारे अपराध 'प्रकाश' से ही करता है। और थ्री डायमेंशनल पिक्चर भी उसी प्रकाश का एक अंग है।

★ पढ़ें: 'रूहों का शिकंजा'

आहह!

ये क्या गड़बड़ है? अगर यह जीव सिर्फ एक आकृति है, तो उसके मुंह से निकलती आग को भी तीन आयामी चित्र ही होना चाहिए!

फ्वहूश

लेकिन ये आग तो असली है...

...क्योंकि ये मुझे जला रही है। पर कैसे? कैसे?

हा हा हा... ध्रुव समझ रहा है कि उस प्राणी के मुंह से निकलती आग उसको जला रही है। लेकिन वह आग तो नकली है।...

...जला तो उसको यह 'लेसर वेल्डर' रहा है। जो मैं उस आग की आड़ में चला रहा हूं।

मेरा 3D प्रोजेक्शन सिस्टम एकदम सफल रहा। पहले उससे तीन आयामी पिक्चर देखकर ध्रुव, ऑबजरवेटरी के उड़ जाने को सही मान बैठा...

और चट्टानें टूटने एवं पैर झुलसने के कारण, ध्रुव अपना सन्तुलन कायम नहीं रख सका—

वैसे तो यह रास्ता एक निश्चित मौत की तरफ जाता था...
...लेकिन ध्रुव का बदन 'जुपिटर सर्कस' के दिनों से ही ऐसी कलाबाजियां खाने में माहिर था-
लेकिन सिर्फ कुछ ही पलों के लिए-
अब सिर्फ एक सेकंड की देर है। इस बार मैं इसकी आग की लपट से बच नहीं पाऊंगा।
लेकिन...लेकिन यह क्या? यह जीव तो गायब हो रहा है।
और इसी कड़ी मेहनत ने आज उसकी जिन्दगी को खत्म होने से बचा लिया-
इतना भोला न बन ध्रुव! समझ तो तू गया ही है। वह जीव तो एक 3 D आकृति थी। झुलसा तो तुझे यह 'लेसर वेल्डर' रहा था...
...और अब यह तुझे जलाएगा!
मेरे पास शायद एक या दो सेकंड का समय है। उतनी देर में, मैं यह 'स्टार लाइनें' ऊपर अटकाकर चढ़ सकता हूं। लेकिन उस हालत में 'सुपर नोवा' इस 'स्टार लाइन' को ही नष्ट कर देगा।...
...इसलिए ऐसा रास्ता सोचना पड़ेगा कि 'स्टार लाइन' भी ऊपर अटक जाए और सुपर नोवा भी बेबस हो जाए...
...और जहां पर मैं स्टार-लाइन को अटका सकता हूं।...

और जब तक वह बचाव का कोई रास्ता सोच पाता, तब तक ध्रुव उसके सामने पहुंच चुका था–

अब बताओ सुपर नोवा...

...तुम्हारे तरकश में अब कौन सा तीर बचा है?

तड़

आह!

मुझे बीच में पड़ना चाहिए या नहीं?... नहीं! मुझे एकदम स्पष्ट आदेश दिए गए हैं। जब तक सिग्नल न मिले, सामने नहीं आना है!
उधर ध्रुव के दिमाग में भी कई सोचों के घोड़े दौड़ रहे थे-
यह तो मार खाए जा रहा है। पर मुंह नहीं खोल रहा है...
...अब अपने प्लान को अमल में लाना ही होगा।
तड़.
ध्रुव का प्लान जो कुछ भी था...
...उसको अमल में लाने का मौका ध्रुव को नहीं मिला-
क्योंकि उसी पल-
तू मेरे तीर देखना चाहता था न ध्रुव! ले झेल मेरा वार!
ओह!
अल्ट्रावॉयलेट किरणों का एक तेज झमाका, ध्रुव की आंखों से टकराया...
...और ध्रुव चीख उठा-
आह!
मेरी आंखें!
मुझे...मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा है!...
...मैं अंधा हो गया!

मास्टर! मास्टर! आप ठीक तो हैं न?
हमने ऊपर से देखा कि ध्रुव आप पर हावी हो रहा था!
अब नहीं लूका! अब ये हमसे टकराने का अंजाम भुगत रहा है...
...अंधा हो गया है ये!
इसको मैं अभी गोली मार देता हूं!
हां, मार दो मुझे! लेकिन मुझे मारकर भी बच नहीं पाओगे तुम लोग!...
...पुलिस जानती है कि इस वक्त मैं कहां पर हूं!...
...पुलिस आती ही होगी। और फिर तुम लोग या तो जेल में होगे... या फिर मारे जाओगे!
शायद ये सच बोल रहा है। अब हम इसको मारेंगे नहीं। इसको बंधक बनाकर रखेंगे।
जब तक ये हमारे पास रहेगा, पुलिस हम पर हमला नहीं करेगी। हम एक बार सुबह नौ बजे अपना काम पूरा कर लें, उसके बाद इसको लेकर यहां से खिसक जाएंगे... और फिर हमारे पास माल भी होगा, और हम आजाद भी होंगे।...
...इसको ऊपर ऑब्जरवेटरी में ले चलो।

अंधेरे में छुपी वह रहस्यमय आकृति अभी भी अपनी जगह से नहीं हिली–
ओ माई गॉड! ये सुपर नोवा तो बहुत खतरनाक आदमी लगता है। ध्रुव को अंधा कर दिया है इसने!...
...लेकिन एक बात अच्छी भी हुई है। ध्रुव से लड़ाई के चक्कर में इन लोगों का ध्यान मुझ पर नहीं गया!
अब मैं इनके पीछे-पीछे ऑब्जरवेटरी तक आराम से पहुंच सकता हूं...
...और फिर उसके बाद इन्तजार करूंगा सिग्नलों का...
और ऑब्जरवेटरी में–
चल सूरदास, तू भी इन दोनों के साथ अंदर बंद हो जा!
धक्क
सुपर कमांडो ध्रुव!

लेकिन मुझे काम बहुत संभलकर करना होगा...
...वर्ना मुझे मरने से ऊपर वाला भी नहीं बचा पाएगा।
सिग्नल उत्तर-पश्चिम की दिशा से आ रहे हैं।...
...मुझे उधर ही जाना होगा।

यह रहा मेरा पहला शिकार! धीरे-धीरे... वर्ना जरा सी आहट सारा खेल बिगाड़ देगी।

यह रहस्यमय शख्स जो भी था, उसको ट्रेनिंग बहुत अच्छी मिली हुई थी-
उसको अच्छी तरह से मालूम था कि वार कहां पर करना चाहिए-
होश खोने से पहले लूका चीख तक नहीं पाया-
ठक

लेकिन उसका बेहोश शरीर जमीन से, एक घुटी सी आवाज के साथ टकराया-
और इतनी आवाज, सांचेज को सतर्क कर देने के लिए काफी थी-
ये आवाज कैसी थी? लूका! लूका! तुम ठीक तो हो न?... लूका?
धप्प
लूका! ...लूक... ...कम्पफ्!
धाड़
वार पूरी ताकत से नाक और आंखों के जोड़ पर किया गया था-
सांचेज के लिए होश संभाले रखने का सवाल ही नहीं था-
अब पहरे पर सिर्फ शिवा तैनात था-
क्यों बेटा ध्रुव! टी॰वी॰ देखेगा? मेरे पास एक जादुई सुरमा है...
...जिसको लगाने से अंधे भी देखने... अक्... अक्...
अम्प!
धम्म

रात धीरे धीरे बीत गई-
सुपर जीवा को 'लेसर तोप' की एडजस्टमेंट करते-करते समय का पता ही नहीं चला-

और उसकी इस व्यस्तता को तोड़ा एक चीख भरी आवाज ने -
मास्टर! मास्टर! श्रीवास्तव की बीवी और बच्चा भाग गए!...
...लेकिन ध्रुव अभी भी कमरे में बन्द है।
कैसे?

पूरी बात सुनकर, सुपर जीवा भी स्तब्ध रह गया-
ओह! लेकिन वह आदमी कौन हो सकता है!
मुझे पूरा यकीन है कि वह जरूर ध्रुव का आदमी था मास्टर! ध्रुव जानता होगा कि वह, उन दोनों को कहां ले गया है!

अगर ऐसा था, तो ध्रुव खुद क्यों नहीं भागा?
ओ० के० मास्टर!
खैर! ध्रुव को यहां लेकर आओ! मैं खुद उससे पूछताछ करूंगा!

और तुम तीनों सांड की औलादों, तुम लोग जाकर उन दोनों को ढूंढो। वे पहाड़ियों में ज्यादा दूर नहीं गए होंगे!...
...अगर वे यहां से बचकर पुलिस तक पहुंच गए तो सब गड़बड़ हो जाएगी!
जाओ!

और फिर-

बता, वह आदमी कौन था अंधे!...

...बता, वर्ना तेरे एक-एक अंग को आहिस्ता-आहिस्ता काटूंगा!

तड़.

ध्रुव को असहाय समझने की भूल मत कर जोवा...

...पहले तुम मुझे सिर्फ इसलिए काबू में कर पाए क्योंकि तब मैं आंखों में दर्द से बेहाल था...

...लेकिन सुपर कमांडो ध्रुव अपने दुश्मनों से कई बार आंखों पर पट्टी बांधकर भिड़ चुका है!...

...सिर्फ उनकी आवाज के सहारे!

धड़ाक

आह!

जोरदार घूंसा था मास्टर! एक ही वार में आप चित हो गए। कोई अंधा इतना सटीक वार नहीं मार सकता... मुझे तो शक हो रहा है कि ध्रुव पूरी तरह से अंधा नहीं हुआ है!...

असंभव!

अभी चेक कर लेते हैं।
सुपर नोवा की उंगली एक बटन पर दबी–
और ध्रुव के पैरों के ठीक आगे के फर्श का एक हिस्सा बिना आवाज के सरक गया–
सैकड़ों फुट नीचे पथरीली चट्टानें साफ दिख रही थीं–
पहला वार तो तूने मुझ पर असावधानी की हालत में कर लिया था ध्रुव! अब मुझे छूकर तो दिखा...
मैं तुझे सिर्फ छूऊंगा ही नहीं नोवा, बल्कि तेरे बदन की एक-एक हड्डी तोड़कर तेरे हाथ में दे दूंगा।
ध्रुव ने अपना कदम आगे बढ़ाया...
...और उसका बदन, पथरीली चट्टानों से टकराकर चूर-चूर हो जाने के लिए, तेजी से नीचे गिरने लगा–
लेकिन वहां तक पहुंच नहीं पाया–
नीचे महीन तारों का एक जाल बिछा हुआ था–
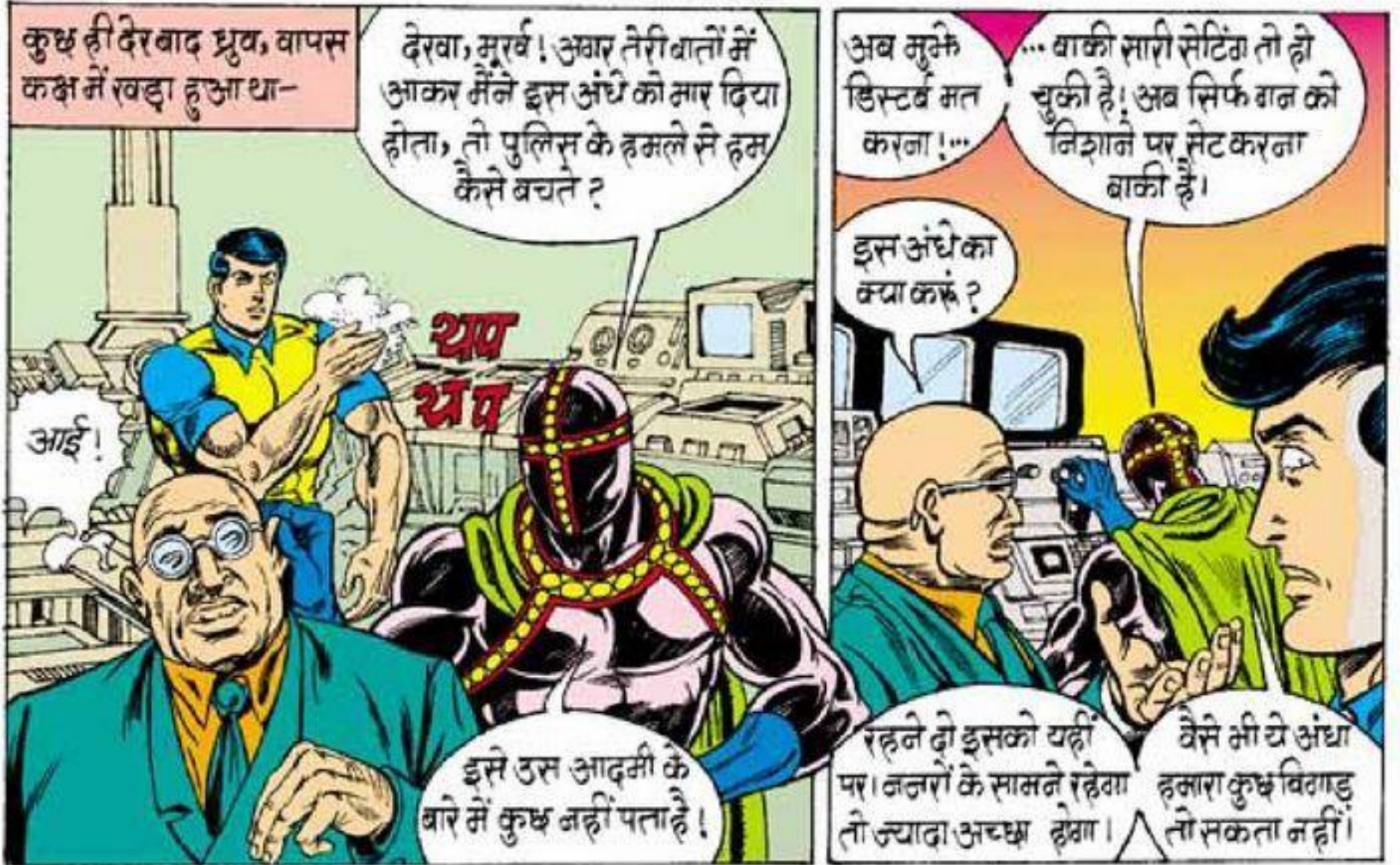
कुछ ही देर बाद ध्रुव, वापस कक्ष में खड़ा हुआ था–

देखा, मूर्ख! अगर तेरी बातों में आकर मैंने इस अंधे को मार दिया होता, तो पुलिस के हमले से हम कैसे बचते?

थप थप

आई!

इसे उस आदमी के बारे में कुछ नहीं पता है!

अब मुझे डिस्टर्ब मत करना!...

...बाकी सारी सेटिंग तो हो चुकी है! अब सिर्फ गन को निशाने पर सेट करना बाकी है।

इस अंधे का क्या करूं?

रहने दो इसको यहीं पर। नजरों के सामने रहेगा तो ज्यादा अच्छा होगा।

वैसे भी ये अंधा हमारा कुछ बिगाड़ तो सकता नहीं।

आज मेरी जिन्दगी की साध पूरी हो जाएगी। गन के सेट होते ही निशाना फिक्स हो जाएगा। और फिर बटन दबाते ही गन से एक लेसर किरण निकलकर अभी ताजी-ताजी छोड़ी गई सेटेलाइट 'चन्द्रशेखर' की तरफ बढ़ेगी...

आहा! 'लेसरगन' अपने निशाने 'संसद भवन' पर सेट हो गई है।...
...अब इंतजार है तो सिर्फ बजट अधिवेशन के शुरू होने का। हा हा हा!
अब हमारे पास कुछ देर का खाली समय है।...
...लेकिन वे तीनों सांड अब तक उस रहस्यमय आदमी को पकड़ कर लौटे नहीं। कहां मर गए वे तीनों?
मरे नहीं हैं सिर्फ बेहोश हुए हैं...
...मैं किसी को जान से नहीं मारता...
अरे! अरे! यही होगा वह रहस्यमय आदमी!
पकड़ लो इसे वाल्डी!
वह भाग रहा है, मास्टर!
भागकर जाएगा कहां! तुम दाहिनी तरफ से जाओ, मैं उसको बाईं तरफ से घेरता हूं।
सुपर नोवा और वाल्डी उस नकाबपोश के पीछे बाहर निकल गए—

और ध्रुव कमरे में अकेला रह गया-

वह एक पल के लिए चुपचाप खड़ा रहा-

और फिर उसकी उंगलियां तेजी से कंट्रोल पेनल पर फिसलने लगीं-

दूसरी तरफ- उस रहस्यमय आकृति को सुपर नोवा और बाल्डी दो तरफ से घेर रहे थे-

मुझे किसी के पैरों की आहट सुनाई दे रही है...

उधर से आ रहा है वह शैतान! अब नहीं बचेगा...

...वह...

...आहह! बाल्डी! मूर्ख! तू भी अंधा हो गया है क्या?

उई! सॉरी मास्टर!

ओह! वह तो कहीं दिखा ही नहीं मास्टर!

जरूर कहीं छिपा होगा! चलो! सबसे पहले कंट्रोल रूम में जाकर बाहर जाने वाले सभी रास्तों को बन्द करना पड़ेगा!...

...उसके बाद उसको पूरी ऑवजरवेटरी में ढूंढेंगे!

जो कुछ तुम देख रहे थे, वह कमाल तो इन 'स्पेशल कांटेक्ट लेंसों' का था। जो मैंने तभी बनवा लिए थे, जब तुमने पहली बार 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' पर हमला किया था। अंधे हुए गार्डों की आंखें देखकर मैंने हूबहू वैसा ही इनको बनवाया था।

और जब मेरी आशा के अनुरूप तुमने मुझ पर अल्ट्रावायलेट किरणों से हमला किया, तो मैंने अपनी आंखों को बचाते हुए, चुपचाप कांटेक्ट लेंसों को अपनी आंखों में सरका लिया था!

मैं चाहता तो तुमको वहीं पर पकड़ सकता था। लेकिन मेरा मकसद पहले तुम्हारे प्लान के बारे में जानना था। और इसीलिए मैं अंधा बनकर तुम्हारा बंधक बन गया, और यहां पर आ गया।...

... यहां पर आकर मुझे पता चला कि तुमने डॉक्टर श्रीवास्तव की पत्नी और बेटे को भी बंधक बना रखा है। सबसे पहले मैंने उनको छुड़वाया।

तुमने? यानी... यानी वह तुम्हारा आदमी था!

था नहीं... है नोवा। मैं सारी तैयारी करके आया था। और मेरे साथ आया था...

... कमांडो फोर्स का कैडेट पीटर! यह मेरे सिग्नल को सुनकर अन्दर आया, और तुम्हारे आदमियों को पीटकर मिसेज श्रीवास्तव और उनके बेटे को बाहर निकाल ले गया! ...
... जहां से दूसरी कमांडो कैडेट उनको वापस शहर ले गई, और उसने पुलिस को भी इंफार्म कर दिया। अब पुलिस भी आती ही होगी।
और मेरे तीनों आदमी ?
जो मेरे पीछे बाहर आए थे ?
वे तीनों बाहर सैर कर रहे हैं, बेहोशी की दुनिया की!
ओह गॉड! लेकिन... अगर तुम अंधे नहीं थे तो तुम जान-बूझकर फर्श में बने छेद में क्यों गिर पड़े ?
ये साबित करने के लिए कि मैं अंधा हूं। वर्ना तुम मुझे कमरे में उस वक्त भी कैसे खड़ा रहने देते, जब तुम अपनी योजना के बारे में बड़बड़ा रहे थे! ...
... और साथ ही साथ अपनी लेसर गन को भी निशाने पर फिक्स करते जा रहे थे। ...
... इसी वक्त मैंने दुबारा सिग्नल भेज कर पीटर को अंदर बुला लिया ...
... लेकिन अब तुम्हारा खेल खत्म हो चुका है सुपर नोवा! हमारे सामने तुम लोग टिक नहीं सकते। हम तुम्हारी हर ट्रिक को जानते हैं। वैसे भी अब पुलिस भी यहां पर आती ही होगी।
अब पुलिस आती है, तो आती रहे... क्योंकि अब कोई भी मुझे मेरा काम पूरा करने से रोक नहीं सकता।

नौ बज चुके हैं। संसद भवन बजट अधिवेशन के लिए सारे संसद सदस्य जमा हो चुके होंगे। और यह बटन दबाते ही लेसर गन से लेसर किरण निकल चुकी है।...
...संसद भवन को उड़ाने के लिए!
इतनी जल्दी बटन दबाने से पहले निशाने पर तो एक नजर डाल लेते नोवा!
...ये निशाना तो ऑब्जरवेटरी पर सेट हो गया है। पर कैसे?
ओ गॉड! ये... ये...
तुम फिर भूल रहे हो कि जिस वक्त तुम गन को निशाने पर सेट कर रहे थे, उस वक्त मैं गन को सेट करने का तरीका बड़े ध्यान से देख रहा था...
...और जब तुम दोनों पीटर के पीछे चले गए तो मैंने निशाने को यहां पर सेट कर दिया!
...और अब लेसर किरण को यहां तक पहुंचने में कुछ ही सेकंड बचे हैं।
भागो!
जिसको जहां से जगह मिली वहीं से बाहर कूद पड़ा—
क्योंकि सभी समझ रहे थे कि सिर्फ दो या तीन सेकंड बचे थे—

विध्वंसक लेसर किरण को ऑब्जरवेटरी तक पहुंचने में–

कड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़

समाप्त.